अध्याय-3 राजस्थान के प्रमुख किसान आंदोलन

☛ **बिजौलिया किसान आंदोलन में किस जाति के कृषक सर्वाधिक थे?**

(1) धाकड़ (2) माली
(3) गुर्जर (4) मीणा (1)

व्याख्या–वर्तमान में बिजौलिया भीलवाड़ा जिले में है।
- यह मेवाड़ का प्रथम श्रेणी का ठिकाना था।
- कृषकों में अधिकांश धाकड़ जाति के लोग थे।

☛ **बिजौलिया किसान आंदोलन का अध्ययन कितने भागों में किया जाता है?**

(1) पाँच (2) तीन
(3) आठ (3) सात (2)

व्याख्या–बिजौलिया किसान आंदोलन का अध्ययन तीन भागों में किया जाता है। प्रथम चरण 1897-1915 ई. द्वितीय चरण-1915 से 1923 ई. तृतीय चरण-1923-1941 ई.।

☛ **बिजौलिया किसान आंदोलन में किन नेताओं ने भाग लिया?**

(1) नारायणजी पटेल
(2) विजय सिंह पथिक
(3) माणिक्यलाल व साधु सीतारामदास
(4) उपर्युक्त सभी (4)

☛ **लड़की के विवाह पर चंवरी कर बिजोलिया के किस सामंत ने लगाया।**

(1) राव पृथ्वी सिंह (2) राव कृष्ण सिंह
(3) राव जोधा सिंह (4) राव केसरी सिंह (2)

व्याख्या–1903 ई. में राव कृष्ण सिंह ने चंवरी कर लगाया जिसके अनुसार लड़की के विवाह के अवसर पर 5/- रु. ठिकाने में चंवरी कर के रूप में जमा करवाने पड़ते थे। (राज. अध्ययन कक्षा 9 के अनुसार 13/- रु.)

☛ **बिजौलिया में तलवार बंधाई नाम से नया कर किसने लगाया?**

(1) राव पृथ्वीसिंह (2) विजय सिंह
(3) राव कृष्ण सिंह (4) रामनारायण (1)

व्याख्या–राव पृथ्वी सिंह ने 1906 में किसानों पर तलवार बंधाई (उत्तराधिकार शुल्क) और घुड चढ़ी कर लगाया था।
- तलवार बंधाई "उत्तराधिकार" शुल्क था।

☛ **बिजौलिया किसान आंदोलन की बात गांधीजी तक पहुंचने पर किसे वस्तुस्थिति की जांच हेतु भेजा।**

(1) महादेव देसाई (2) सुभाषचन्द्र
(3) माणिक्यलाल वर्मा (4) नारायणी पटेल (1)

व्याख्या–इस आंदोलन की जानकारी प्राप्त करने के लिए विजय सिंह पथिक को भी मुम्बई में आमंत्रित किया गया।

☛ **राजस्थान के किसानों के जनक कहे जाने वाले विजयसिंह पथिक बिजौलिया किसान आंदोलन से कब जुड़े?**

(1) 1897 ई. (2) 1923 ई.
(3) 1941 ई. (4) 1916 ई. (4)

व्याख्या–विजय सिंह पथिक 1916 में इस आंदोलन से जुड़ गये थे। विजय सिंह का वास्तविक नाम 'भूपसिंह' था। बिजौलिया किसान आंदोलन के जनक माने जाते हैं। इन्होंने विद्या प्रचारिणी सभा का गठन किया। बिजौलिया आंदोलन को गति देने के लिए विजय सिंह पथिक ने 1917 ई. में हरियाली अमावस्या के दिन बिजौलिया में उपरमाल पंच बोर्ड का गठन किया था। जिसका पहला सरपंच मन्ना पटेल को बनाया गया था। कानपुर से प्रकाशित होने वाले प्रताप नामक समाचार पत्र के माध्यम से पथिक ने इस आंदोलन को देशभर में चर्चित कर दिया था। प्रताप समाचार पत्र के संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी थे। उपरमाल के निवासी पथिक जी को महात्मा जी कहकर पुकारते थे।

8. **साधु सीताराम दास का जन्म कहाँ हुआ?**

(1) बिजौलिया (2) मांडलगढ़
(3) लाखेरी (4) बिलाड़ा (1)

व्याख्या–सीतारामदास जी का जन्म बिजौलिया के बैरागी परिवार में 1883 में हुआ था।
- बिजौलिया किसान आंदोलन के पहले चरण (1897-1914) का नेतृत्व साधु सीतारामदास ने किया था।

☛ **ऊपरमाल के निवासी इन्हें 'महात्मा जी' कहकर बुलाते थे। यहाँ किसकी बात हो रही है?**

(1) रामनारायण चौधरी (2) विजयसिंह पथिक
(3) साधु सीताराम दास (4) माणिक्यलाल वर्मा (2)

व्याख्या–इन्होंने उपरमाल पंच बोर्ड की स्थापना 1917 ई. में की। राजस्थान किसान आंदोलन के जनक भी कहा जाता है।

☛ **बिजौलिया किसान आंदोलन किस समाचार पत्र के माध्यम से देशव्यापी बन गया।**

(1) राजस्थान केसरी (2) राजस्थान पत्रिका
(3) प्रताप (4) तरूण राजस्थान (3)

व्याख्या–प्रताप समाचार पत्र का संबंध गणेश शंकर विद्यार्थी से था। गणेश शंकर विद्यार्थी ने इसे सन् 1913 ई. में कानपुर से निकालना आरंभ किया।

☛ **अलवर में मेव किसान आंदोलन का नेतृत्व किसने किया?**

(1) यासीन खान (2) साधु सीताराम
(3) मोहम्मद हादी (4) भौजी लंबरदार (1)

व्याख्या–मेव किसान आंदोलन का नेतृत्व गुड़गाँव के 'चौधरी यासीन खान' द्वारा किया गया। यहाँ के किसानों ने खरीफ की फसल पर लगान देना बंद कर दिया। राज्य सरकार ने मेवों को संतुष्ट करने के लिये राज्य कॉसिल में एक मुस्लिम सदस्य खान बहादुर काजी अजीजुद्दीन बिलग्रामी को सम्मिलित किया लेकिन इसका कोई फायदा नहीं मिला।

☛ **सुअरों द्वारा फसल खराबी को लेकर 1921 में कहाँ आंदोलन शुरू हुआ?**

(1) अलवर (2) बूंदी
(3) बेंगू (4) डाबी (1)

☛ **1922 में बूंदी के बरड़ क्षेत्र में हुए आंदोलन का नेतृत्व किसने किया?**

(1) नयनूराम (2) कृपाराम
(3) साधुराम (4) रामनारायण (1)

व्याख्या–1923 के अंत तक बूंदी के सभी आंदोलन लगभग समाप्त हो गये। लेकिन 1936 में बरड़ क्षेत्र में एक बार पुनः आंदोलन शुरू हुआ। 05 अक्टूबर 1936 को हिण्डोली में स्थित हूडेश्वर महादेव मंदिर में 90 गांवों के गुर्जर-मीणा किसान एकत्र हुए व आंदोलन किया।

☛ **जयपुर राज्य के किसान आंदोलन का श्रीगणेश कहाँ से हुआ?**

(1) सीकर (2) शेखावाटी
(3) खेतड़ी (4) तोरावाटी (1)

व्याख्या–जयपुर राज्य के आंदोलनों का मूल केन्द्र राज्य के पश्चिम में स्थित शेखावाटी, तोरावाटी, सांभर, सीकर व खेतड़ी के ठिकाणे थे। शुरूआत सीकर ठिकाणे से हुई।

परीक्षा दृष्टि

★ बिजौलिया आंदोलन का दूसरी बार प्रारम्भ होने का कारण था– **– चंवरी कर**

★ राजस्थान में स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान 1921-22 में भील आंदोलन का नेतृत्व किया था– **– मोतीलाल तेजावत**

★ विजयसिंह पथिक ने किस आंदोलन का नेतृत्व किया– **– बिजौलिया किसान आंदोलन**

★ 1927 ई. में कुँवर मदनसिंह के नेतृत्व में किसानों ने कहाँ आंदोलन किया। **– करौली**

★ राजस्थान में एकी आंदोलन का सूत्रपात किसने किया– **– मोतीलाल तेजावत**

★ किस वर्ष नीमूचाणा (अलवर) में दुखान्त घटना हुई थी– **– 1925 ई.**

★ ट्रेंच कमीशन संबंधित है– **– बेगूं किसान आंदोलन से**

★ 1921 ई. को चित्तौड़गढ़ में राशमी परगना स्थित मातृकुण्डिया नामक स्थान पर कौनसा किसान आंदोलन प्रारम्भ हुआ– **– एकी आंदोलन**

★ राजस्थान का प्रथम किसान आंदोलन कौनसा था– **– बिजौलिया**

★ भील एवं गरासियों को एकत्रित करने सम्प सभा की स्थापना किसने की– **– गोविन्द गिरि**

★ मेवाड़, वागड़ और आस-पास के क्षेत्रों में सामाजिक सुधार के लिए 'लसाड़िया आंदोलन' का सूत्रपात किसने किया– **– गोविन्द गिरि**

★ राजस्थान का 'जलियावालां बाग' का नाम से प्रख्यात स्थान मानगढ़ धाम किस जिले में है– **– बाँसवाड़ा**

★ भीलों ने मोतीलाल तेजावत के नेतृत्व में कौनसा आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसका प्रमुख उद्देश्य भारी लगान और बेगार से भील कृषकों को मुक्त करवाना था **– एकी आंदोलन**

☛ **1922 में किसने सीकर में भूमिकर 25 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया?**

(1) रावराजा हुकमसिंह (2) रावराजा दीवानसिंह
(3) रावराजा कल्याणसिंह (4) रावराजा जीवनसिंह (3)

व्याख्या–रामनारायण चौधरी व हरि ब्रह्मचारी ने सीकर के किसानों का प्रोत्साहन प्रदान किया। इस आंदोलन की गूंज केन्द्रीय असेम्बली व ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमस में उठी।

☛ **1925 में बगड़ (शेखावाटी) में जाटों का एक सम्मेलन हुआ, जाटों के कौनसे नेता ने शेखावाटी के किसानों को कर न देने हेतु प्रेरित किया–**

(1) रामनारायण चौधरी (2) नयनूराम शर्मा
(3) कल्याण सिंह (4) ठा. देशराज (4)

☛ **पलथाना में 1934 में हुए जाट महायज्ञ में ठिकाणों की कटु आलोचना के कारण किसे 6 सप्ताह की जेल व 51/- का दण्ड़ दिया गया?**

(1) ठा. देशराज (2) ठा. मानसिंह
(3) चन्द्रभान (4) कोई नहीं (3)

व्याख्या–चन्द्रभान जाटसभा के सचिव थे।

☛ **सरदार हललाल सिंह, नेतराम सिंह, पृथ्वीसिंह गोठड़ा, पन्नेसिंह, बाटड़नाउ, हरूसिंह पलथाना, गौरूसिंह कटराथल, ईश्वर सिंह, लेखराम आदि का संबंध कहां से था?**

(1) बेंगू किसान आंदोलन (2) सीकर किसान आंदोलन
(3) अलवर किसान आंदोलन (4) भरतपुर किसान आंदोलन(2)

☛ **खेतड़ी, डूंडलोद, नवलगढ़, मण्डावा, बिसाऊ, सूरजगढ़, हमीरवास, इस्माइलपुर, जखारा, मलसीसर, अलसीसर, पाटन आदि कहाँ के ठिकाणे थे?**

(1) मारवाड़ (2) मेवाड़
(3) शेखावाटी (4) मेवात (3)

व्याख्या–मार्च 1933 के बाद शेखावाटी के अन्य ठिकाणों भी आंदोलन की चपेट में आ गये। 16 मई, 1934 को हमीरवास के ठाकुर कल्याणसिह ने हनुमानपुरा गाँव में जाट किसानों के घर जला दिये। डूंडलोद के ठाकुर व इनके भाई ने किसानों पर अत्याचार किये। सीकर व शेखावाटी किसान आंदोलन का अंत मार्च 1947 में हीरालाल शास्त्री की लोकप्रिय सरकार के गठन के साथ हुआ।

☛ **मारवाड़ लोक परिषद् के कार्यकर्ताओं ने चन्द्रावल में उत्तरदायी शासन दिवस मनाने का निर्णय कब लिया?**

(1) 28 मार्च 1942 (2) 30 मार्च 1935
(3) 25 मार्च 1940 (4) 20 मई 1936 (1)

व्याख्या–चन्द्रावल के ठाकुर ने इन्हें रोकने का प्रयास किया, जिसमें सोजत के मीठालाल और विजयशंकर, कंटालिया के मार्कन्डेश्वर और हरिराम, चन्द्रावल के रामसुख और चाँदमल घायल हुए।

☛ **ब्रिटिश सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति जिसका मुख्य उद्देश्य बिजौलिया किसान आंदोलन को तुरंत शांत करना इनमें कौनसे सदस्य शामिल थे–**

(1) आगल्बी, रॉबर्ट हॉलैण्ड (2) प्रभाषचन्द्र चटर्जी
(3) हाकीम बिहारीलाल (4) उपरोक्त सभी (4)

व्याख्या–बिजौलिया किसान आंदोलन को तुरंत शांत करने के उद्देश्य से ब्रिटिश सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया। इस समिति में ए.जी.जी. राबर्ट हॉलैण्ड उसके सचिव आगल्बी, मेवाड़ के ब्रिटिश रेजिडेंट विल्किसन, मेवाड़ राज्य के दीवान प्रभाष चन्द्र चटर्जी और राज्य के सायर हाकिम बिहारीलाल को रखा। लम्बे समय के पश्चात 11 फरवरी, 1922 ई. को ठिकाने और किसान पंचायत के बीच समझौता हुआ।

☛ **टी विजया राघवाचार्य द्वारा किसे बिजौलिया भेजकर किसानों की समस्या का समाधान किया गया?**

(1) विजय सिंह पथिक (2) साधु सीताराम
(3) डॉ. मोहन सिंह मेहता (4) रामनारायण चौधरी (3)

व्याख्या–1941 में मेवाड़ के दीवान टी. विजय राघवाचार्य ने राजस्व मंत्री डॉ. मोहन सिंह मेहता को बिजौलिया भेजा।

☛ **बेगूँ किसान आंदोलन का नेतृत्व किसने किया?**

(1) रामनारायण चौधरी (2) विजय सिंह पथिक
(3) नानजी पटेल (4) साधु सीताराम (1)

व्याख्या–बिजौलिया से प्रेरणा लेकर बेगूँ के किसानों ने भी अनावश्यक व अत्यधिक करों, लाग बाग, बेगार व सामंती जुल्मों के विरूद्ध रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में 1921 में आंदोलन शुरू किया। बेगूँ के किसान 1921 ई. में मैनाल के भैरू कुण्ड नामक स्थान पर एकत्रित हुए।

☛ **राजस्थान सेवा संघ व ठाकुर अनूप सिंह के मध्य हुए समझौते को बोल्शेविक फैसले की संज्ञा दी गई। यह समझौता किससे संबंधित था?**

(1) अलवर किसान आंदोलन
(2) बिजौलिया किसान आंदोलन
(3) बेगूँ किसान आंदोलन
(4) सीकर किसान आंदोलन (3)

व्याख्या–1923 ई. में रूपाजी, कृपाजी धाकड़ बेगूँ आंदोलन में शहीद हुए।

☛ **सूअरों की समस्या के निराकरण हेतु अलवर में किसान आंदोलन कब हुआ?**

(1) 1921 ई. (2) 1925 ई.
(3) 1947 ई. (4) 1923 ई. (1)

☛ **भरतपुर किसान आंदोलन का नेतृत्व किसने किया?**

(1) मोहम्मद हादि (2) यासीन खान
(3) भौजी लंबरदार (4) साधु सीताराम (3)

व्याख्या–1931 में ब्रिटिश सरकार ने भरतपुर राज्य में एक नया भूमि बंदोबस्त लागू कर दिया गया था इसके भू. राजस्व में बेहद बढ़ोतरी हो गई। ऐसे में भू. राजस्व अधिकारी भौजी लंबरदार ने इस बढ़े हुए भू. राजस्व के विरोध में 1931 में आंदोलन आरंभ कर दिया। 23 नवम्बर, 1931 को भौजी लंबरदार के नेतृत्व में लगभग 500 किसान भरतपुर में जमा हो और आंदोलन शुरू करने लगे। उस समय ब्रिटिश सरकार द्वारा भौजी लंबरदार को गिरफ्तार कर लिया गया।

☛ **''अंजुमन खादिम उल इस्लाम'' नामक संस्था का संबंध किस किसान आंदोलन से है–**

(1) बिजौलिया किसान आंदोलन
(2) बेगूँ किसान आंदोलन
(3) मेव किसान आंदोलन
(4) भरतपुर किसान आंदोलन (3)

व्याख्या–अलवर भरतपुर क्षेत्र में मोहम्मद हादी ने 1932 ई. में 'अंजुमन खादिम उल इस्लाम' नामक संस्था स्थापित कर मेव किसान आंदोलन को एक संगठित रूप दिया। मेव किसान आंदोलन राजस्थान का एकमात्र आंदोलन था जिसने सांप्रदायिक आंदोलन का रूप ले लिया।

☛ **नीमूचाणा हत्याकाण्ड का संबंध किस किसान आंदोलन से है–**

(1) बेगूँ (2) बिजौलिया
(3) अलवर (4) भरतपुर (3)

व्याख्या–1923 में अलवर के शासक जयसिंह के द्वारा किसानों पर लगान (कर) लगाये जाने के कारण इस आंदोलन की शुरूआत हुई। 14 मई, 1925 ई. को लगभग 800 किसान नीमूचाणा में इकट्ठे हुए जिन पर अंग्रेज कमांडर छज्जू सिंह ने गोलियाँ चला दी। जिसमें लगभग 100 लोग शहीद हुए छज्जू सिंह को राजस्थान का 'जनरल डायर' कहा जाता है। महात्मा गाँधी ने पत्रिका 'यंग इंडिया' में नीमूचाणा कांड की जलियाँवाला बाग हत्याकांड से वीभत्स कहते हुए दोहरे हत्याकांड (दोहरी डायरशाही) की संज्ञा दी। गोविन्द सिंह व माधोसिंह ने पुकार पुस्तक के माध्यम से अलवर किसान आंदोलन की आवाज उठाई।

☛ **बूँदी किसान आंदोलन का नेतृत्व किसने किया?**

(1) रामनारायण चौधरी (2) नयनूराम शर्मा
(3) यासीन खान (4) विजय सिंह पथिक (2)

व्याख्या–बूँदी किसान आंदोलन 1922 ई. में आरंभ हुआ। इसे बरड़ किसान आंदोलन भी कहा जाता है। बूँदी व बिजौलिया के बीच का पथरीला भाग बरड़ कहलाता था। नानक भील देवीलाल गुर्जर का संबंध भी इसी आंदोलन से था।

☛ **नीमूचाणा हत्याकांड कब हुआ?**

(1) 1897 ई. (2) 1921 ई.
(3) 1923 ई. (4) 1925 ई. (4)

व्याख्या–नीमूचाणा कांड 14 मई, 1925 ई. को हुआ।

☛ **डाबी हत्याकांड घटना का संबंध किस किसान आंदोलन से है?**

(1) बिजौलिया (2) बेगूँ
(3) मेव (4) बूँदी (4)

व्याख्या–डाबी हत्याकांड 2 अप्रेल, 1923 ई. को शुरू हुआ। डाबी में 2 अप्रेल, 1923 ई. को किसानों की एक सभा हुई। सभा में एकत्रित किसानों की भीड़ पर पुलिस ने निष्ठुरता से लाठी प्रहार किया तथा पुलिस अधीक्षक इकराम हुसैन ने गोलियाँ चलवाई जिसके परिणामस्वरूप नानक भील व देवीलाल गुर्जर शहीद हो गये।

नानक भील की स्मृति में माणिक्यलाल वर्मा ने अर्जी नामक गीत लिखा।

☛ **चेतराम व टीकूराम की शहादत व 175 जाट किसानों की गिरफ्तारी किस किसान आंदोलन से संबंधित था?**

(1) कूदन आंदोलन
(2) बिजौलिया किसान आंदोलन
(3) बेगूँ किसान आंदोलन
(4) अलवर किसान आंदोलन (1)

☛ **1894 में किसकी मृत्यु के बाद बिजौलिया के जागीरदारों व किसानों के संबंधों में कटुता आई?**

(1) राव गोविंददास (2) गंगाराम धाकड़
(3) राव कृष्णसिंह (4) राव पृथ्वीसिंह (1)

व्याख्या–1897 में हजारों किसान एक मृत्युभोज पर गिरधारिपुरा गाँव में एकत्रित हुए। मेवाड़ महाराणा फतेहसिंह को समस्यासे अवगत करवाने का निर्णय लिया। इस हेतु नानजी व ठाकरी जी को मेवाड़ महाराणा के पास भेजा लेकिन इसके कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकले।

☛ **वह व्यक्ति जो विजयसिंह पथिक के सम्पर्क में आकर ठिकाणे की नौकरी छोड़ देते है व पथिक से आजीवन देशसेवा की दीक्षा लेते है?**

(1) माणिक्यलाल वर्मा (2) साधू सीताराम
(3) ब्रह्मदत्त (4) इनमें से कोई नहीं (1)

☛ **1922 में एजीजी हॉलेण्ड द्वारा कितनी लागे समाप्त की गई?**

(1) 35 (2) 84
(3) 42 (4) 80 (1)

☛ **20 जुलाई 1931 को किसने बिजौलिया को लेकर उदयपुर महाराणा व सर सुखदेव प्रसाद से व्यापक विचार विमर्श किया-**

(1) विजयसिंह पथिक (2) सेठ जमनालाल बजाज
(3) साधु सीताराम (4) डॉ. मोहनसिंह मेहता (2)

☛ **भरतपुर में 95 प्रतिशत भूमि सीधे राज्य के नियंत्रण में थी। यहाँ कितनी जातियाँ समान हैशियत रखती थी?**

(1) 3 (2) 5
(3) 7 (4) 10 (2)

व्याख्या–यहाँ 5 जातियां ब्राह्माण, जाट, गुर्जर, अहीर व मेव समान हैशियत रखती थी।

☛ **कूदन (सीकर) हत्याकांड कब हुआ?**

(1) 2 अप्रेल, 1923 ई. (2) 14 मई, 1925 ई.
(3) 25 अप्रेल, 1934 ई. (4) 21 मई, 1931 ई. (3)

व्याख्या–कूदन हत्याकांड की गूंज ब्रिटिश संसद में भी सुनाई दी।

☛ **मारवाड़ लोक परिषद की स्थापना कब हुई?**

(1) मई, 1938 ई. (2) मार्च, 1942 ई.
(3) मई, 1940 ई. (4) मार्च, 1939 ई. (1)

☛ **डाबड़ा हत्याकांड कब हुआ?**

(1) 2 अप्रेल, 1923 ई. (2) 17 मार्च, 1947 ई.
(3) 13 मार्च, 1947 ई. (4) 13 मई, 1947 ई. (3)

व्याख्या–डाबड़ा हत्याकाण्ड का संबंध मारवाड़ किसान आंदोलन से है।

- मारवाड़ लोक परिषद् के नेता मथुरादास माथुर, द्वारकादास पुरोहित, रामकिशन बोहरा, किशनलाल शाह, नरसिंह कच्छवाह, बंशीधर पुरोहित, हरीन्द्र कुमार चौधरी, सीआर चौपासनी वाला आदि आंदोलन में भाग लेने डाबड़ा (डीडवाणा) पहुंचते है व वहां के स्थानीय नेता मोतीलाल चौधरी के निवास पर रूकते है।

☛ **जीवन चौधरी का संबंध किस आंदोलन से था?**

(1) उदरासर (2) डाबड़ा
(3) डाबी (4) बरड़ (1)

☛ **किसान नेता हनुमानसिंह का संबंध किस आंदोलन से था?**

(1) उदरासर (2) दूधवा खारा
(3) मेवा किसान आंदोलन (4) कोई नहीं (2)

☛ **रायसिंहनगर हत्याकांड कब हुआ?**

(1) 1942 (2) 1944
(3) 1946 (4) 1948 (3)

व्याख्या–1 जुलाई 1946 को रायसिंनगर में राजनीतिक सभा पर गोलीबारी में बीरबल सिंह शहीद हुए। अखिल भारतीय देशी रियासत परिषद की ओर से हीरालाल शास्त्री, गोकुलभाई भट्ट व रघुवरदयाल ने रायसिंनगर कांड की समीक्षा की। हनुमानगढ़ के मुंसिफ मजिस्ट्रेट हरदत्त चौधरी ने सरकारी नौकरी से त्याग पत्र दिया।

☛ **'किसान यूनियन क्यो' पुस्तक किसने लिखी?**

(1) कुंभाराम आर्य (2) हनुमान सिंह
(3) विजयसिह पथिक (4) रघवर दयाल (1)

व्याख्या–ये भी बीकानेर किसान आंदोलन से जुड़े हुए थे।

☛ **निम्न में से संगत पहचानिए?**

(1) उदरासर आंदोलन – शेखावाटी
(2) दूधवाखारा आंदोलन – चूरू
(3) रायसिंह नगर कांड – बीकानेर
(4) उपर्युक्त सभी (4)

☛ **कागड़ कांड का संबंध किस किसान आंदोलन से है?**

(1) दूधवाखारा (2) बीकानेर
(3) सीकर (4) अलवर (2)

☛ **प्रताप समाचार पत्र के संपादक कौन थे?**

(1) विजय सिंह पथिक (2) रामनारायण चौधरी
(3) गणेश शंकर विद्यार्थी (4) माणिक्यलाल वर्मा (3)

☛ **उदरासर किसान आंदोलन कब हुआ?**

(1) 1937 (2) 1922
(3) 1897 (4) 1920 (1)

☛ **डाबड़ा किसान आंदोलन कब हुआ?**

(1) 1940 (2) 1950
(3) 1947 (4) 1922 (3)

व्याख्या–ध्यान रहे पाली के चंदावल में 1945 में आंदोलन हुआ।

☛ **मेर विद्रोह कब से कब तक हुआ?**

(1) 1780–1800 ई. (2) 1820–1840 ई.
(3) 1818–1824 ई. (4) 1847–1867 ई. (3)

व्याख्या–मेवाड़, मारवाड़, अजमेर मेरो का आबाद क्षेत्र है। 1822 ई. में मेरो से गठित मेरवाड़ा बटालियन ब्यावर मुख्यालय पर स्थापित की गई।

- 1818 में अजमेर के अंग्रेज सुपरिन्टेडेंट एक विल्डर ने झाक व अन्य गाँवों के मेरो के साथ समझौता किया। लेकिन 1819 में इसने मेरो पर समझौतो के उल्लंघन का अरोप लगाया। नवंबर 1820 में झाक में मेरो ने अंग्रेज अधिकारियों का मौत के घाट उतारा। मेवाड़, मारवाड़ व अंग्रेजों ने मिलकर मेर विद्रोह का दमन किया। जनवरी 1821 तक मेर विद्रोह का दमन कर दिया गया।

☛ **भगत पंथ सर्वाधिक लोकप्रिय किस जनजाति में रहा?**

(1) भीलों में (2) मीणा में
(3) कंजरों में (4) गरासिया में (1)

व्याख्या–बाँसवाड़ा का मानगढ़ धाम भील समुदाय से संबंधित है।

☛ **गोविंद गुरु किस जिले से संबंधित है?**

(1) डूँगरपुर (2) बाँसवाड़ा
(3) पाली (4) जोधपुर (1)

व्याख्या–गोविन्द गुरु का जन्म 20 दिसम्बर, 1858 को डूँगरपुर जिले के (बांसिया) गाँव में हुआ था। गोविन्द गिरी के बचपन का नाम विन्दा था।

☛ **भीलों से लिया जाने वाला ''वोलाई कर'' का आशय है–**

(1) उत्तराधिकार शुल्क (2) तलवार शुल्क
(3) सुरक्षा कर (4) उपर्युक्त सभी (3)

व्याख्या–भील अपनी पाल के समीप ही गाँवों से रखवाली कर (चौकीदारी कर) तथा अपने क्षेत्रों से गुजरने वाले माल व यात्रियों से बोलाई (सुरक्षा-कर) वसूल करते थे।

☛ **मेवाड़ भील कोर के तहत मेवाड़ के भील क्षेत्रों में कहाँ पर दो छावनी स्थापित की गई–**

(1) खेरवाड़ा, देवली (2) ब्यावर खेरवाड़ा
(3) खेरवाड़ा, कोटड़ा (4) खेरवाड़ा, एरिनपुरा (3)

व्याख्या–जनवरी 1826 में गिरासिया भील मुखिया दौलत सिंह एवं गोविंदराम ने अंग्रेजों व उदयपुर राज्य के खिलाफ विद्रोह किया था। 1844 के आसपास गुजरात के पोसीना विद्रोह का प्रभाव पड़ा। 1846 में कुंवार जिवे वसावो ने गुजरात के भीलों का नेतृत्व किया।

☛ **मामा अमानसिह (राज्य प्रतिनिधि), लोनारगन (अंग्रेज प्रतिनिधि) व श्यामलदास के नेतृत्व में बारापाल में भीलों के दमन का प्रयास कब किया गया?**

(1) मार्च 1881 (2) जनवरी 1881
(3) नवंबर 1881 (4) अगस्त 1881 (1)

व्याख्या–27 मार्च 1881 को इन्होंने भीलों की झोपड़ियों को जला दिया। रिखबदेव नामक स्थान पर लगभग 8000 भीलों ने इन सेनाओं को घेर लिया।

- भीलों का नेतृत्व वीलखपाल का गमेती नीमा, पीपली का खेमा व सगातरी का जोयता कर रहे थे।
- अन्तत: 25 अप्रैल 1881 को रिखबदेव मंदिर केपुजारी खेमराज भण्डारी की मध्यस्थता से समझौता हुआ।

☛ **1860 में जहाजपुर के मीणाओं के विद्रोह करने पर 29 जनवरी, 1860 को महाराणा द्वारा भेजी गई सेना ने कौनसे गाँव पर आक्रमण किया?**

(1) गाढ़ोली (2) लुहारी
(3) दोनों (4) कोई नहीं (3)

☛ **राजस्थान का ''जलियाँवाला बाग'' के नाम से प्रसिद्ध स्थान मानगढ़ धाम किस जिले में स्थित है?**

(1) करौली (2) बाँसवाड़ा
(3) सीकर (4) बूँदी (2)

☛ **महाराणा ने भीलों के दमन हेतु मेहता सवाई सिंह के नेतृत्व में सेना कब भेजी?**

(1) 1 अप्रेल, 1845 ई. (2) 1 नवम्बर, 1856 ई.
(3) 1 नवम्बर, 1956 ई. (4) 1 अक्टूबर, 1845 ई. (2)

व्याख्या–दिसम्बर, 1855 को उदयपुर राज्य के कालीबास के भील विद्रोही हो गये थे जिसके दमन हेतु महाराणा ने मेहता सवाई सिंह के नेतृत्व में 1 नवम्बर, 1856 ई.सेना भेजी। सेना ने गाँवों में आग लगा दी। तथा भारी संख्या भीलों को मौत के घाट उतार दिया।

☛ 1911 से 1912 ई. तक गोविन्द गिरी की गतिविधियों का केन्द्र रहा बेडसा किस जिले में है–
(1) बाँसवाड़ा (2) डूँगरपुर
(3) चित्तौड़गढ़ (4) प्रतापगढ़ (2)

☛ मेवाड़ भील कोर का मुख्यालय कहाँ स्थापित किया गया?
(1) ब्यावर (अजमेर) (2) खेरवाड़ा (उदयपुर)
(3) सोजत (पाली) (4) मंडोर (जोधपुर) (2)

व्याख्या–1 जनवरी, 1841 को मेवाड़ भील कोर की स्थापना खेरवाड़ा (उदयपुर) में की गई। मेवाड़ के भील क्षेत्रों में खैरवाड़ा व कोटड़ा में दो सैनिक छावनियाँ स्थापित की गई।

☛ 1921 ई. में 42वीं देवली रेजीमेंट और 43वीं एरिनपुरा रेजीमेंट को समाप्त कर किस नवीन बटालियन का गठन किया गया–
(1) मीणाकोर (2) भील कोर
(3) सहरिया कोर (4) गरासिया कोर (1)

व्याख्या–1921 ई. में 42वीं देवली रेजिमेंट व 43वीं एरिनपुरा रेजिमेंट को समाप्त कर मीणा कोर नाम से एक नवीन बटालियन का गठन किया गया।

☛ भगत पंथ की स्थापना किसने की?
(1) मोतीलाल तेजावत (2) माणिक्यलाल वर्मा
(3) गोविन्द गिरी (4) जयनारायण व्यास (3)

व्याख्या–गोविन्द गुरु डूँगरपुर में बेडसा नामक गाँव के निवासी एवं जाति से बंजारा थे।

- गुरु –साधु राजगिरी, भगत पंथ प्रारंभ–1911 ई. में किया। आदिवासियों में सुधार व कुरीतियों को दूर करने हेतु भगत आंदोलन चलाया।

☛ मानगढ़ जनसंहार कब हुआ?
(1) 31 मार्च, 1947 ई. (2) 17 सितम्बर, 1883 ई.
(3) 17 सितम्बर, 1905 ई. (4) 17 नवम्बर, 1913 ई. (4)

व्याख्या–गोविन्द गिरी अक्टूबर, 1913 को मानगढ़ पहाड़ी पर पहुँचे तथा भीलों को पहाड़ी पर एकत्रित होने के लिए संदेशवाहक भेजे गये।

- 6 से 10 नवम्बर, 1913 ई. में मेवाड़ भील कोर की दो कंपनियां, 104 वेलेजली राइफल्स की एक कंपनी व सातवीं राजपूत रेजीमेंट की एक कंपनी मानगढ़ पर भीलों के जमावड़े को कुचलने के लिए पहुँची। विफल वार्ताओं के बाद 17 नवम्बर, 1913 ई. को अंग्रेजी फौजों ने मानगढ़ की पहाड़ियों पर आक्रमण कर दिया। इस भयंकर जनसंहार में लगभग 1500 लोग शहीद हुए व हजारों लोग घायल हुए। मानगढ़ हत्याकांड को राज. का जलियाँवाला बाग हत्याकांड की संज्ञा दी गई।

☛ भील एवं गरासिया को एकत्रित करने के लिए संप सभा की स्थापना किसने की–
(1) गोविंद गिरी
(2) मोतीलाल तेजावत
(3) जमनालाल बजाज
(4) नयनूराम शर्मा (1)

व्याख्या–संप सभा की स्थापना 1883 में की गई। संप सभा का प्रथम अधिवेशन 1903 में मानगढ़ (गुजरात) में आश्विन शुक्ल पूर्णिमा को हुआ। संप सभा के कुल 10 नियम थे।

☛ एकी आंदोलन कहाँ से प्रारंभ हुआ?
(1) ब्यावर (2) मानगढ़
(3) सुमेरपुर (4) मातृकुंडिया (4)

व्याख्या–मोतीलाल तेजावत ने अत्यधिक करो, बेगार के विरूद्ध 1921 ई. में चित्तौड़गढ़ जिले के मातृकुंडिया से एकी आंदोलन चलाया।

- एकी आंदोलन को भोमट भील आंदोलन भी कहा जाता है।

☛ "एकी आंदोलन" के प्रवर्तक है?
(1) विजय सिंह पथिक
(2) मोतीलाल तेजावत
(3) गोविन्द गिरी
(4) भोगीलाल पाण्डया (2)

व्याख्या–एकी आंदोलन के प्रवर्तक मोतीलात तेजावत थे।

- मोतीलाल तेजावत का जन्म 1886 में कोलियरी गाँव में हुआ।
- मोतीलाल तेजावत को आदिवासियों का मसीहा व बावजी के नाम से जाना जाता है।

☛ मेवाड़ की पुकार "21वीं सूत्री मांग पत्र" का संबंध था?
(1) गोविन्द गिरी (2) मोतीलाल तेजावत
(3) माणिक्यलाल वर्मा (4) विजय सिंह पथिक (2)

व्याख्या–मोतीलाल तेजावत ने मेवाड़ के महाराणा के समक्ष 21 सूत्रीय मांग पत्र प्रस्तुत किया जिसे "मेवाड़ पुकार" के नाम से जाना जाता है।

- ईडर राज्य की पुलिस ने खेडब्रह्म नामक गाँव से मोतीलाल तेजावत को 1929 ई. में गिरफ्तार किया।

☛ मीणाओं के विद्रोह को दबाने के लिए देवली छावनी का गठन कब किया गया है–
(1) 1830 ई. (2) 1855 ई.
(3) 1850 ई. (4) 1840 ई. (2)